बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् दिनांक -18- 01-2021

विषय -हिन्दी। विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज संज्ञा का रूप परिवर्तन के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

संज्ञा का रूप परिवर्तन

संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के कारकों के रूप में लिंग, वचन के अनुसार परिवर्तन आ जाता है। इसे ही रूप-परिवर्तन या रूप-रचना कहते हैं। कारकीय रूप-रचना के लिए मूल संज्ञा शब्द विकृत रूप धारण करते हैं, तो उनमें निम्नलिखित परिवर्तन करते हैं। यहाँ प्रत्येक वर्ग की संज्ञाओं के उदाहरण दिए जा रहे हैं:

अकारांत पुल्लिग शब्द "बालक"

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्ता	बालक ने	बालकों ने
कर्म	बालक को	बालकोंको
करण	बालक से, बालक के द्वारा	बालकों से, बालकों के द्वारा
संप्रदान	बालक को, बालक के लिए	बालकों को, बालकों के लिए

अपादान	बालक से	बालकों से
संबंध	बालक का, बालक के, बालक की	बालकों का, बालकों के , बालकों की
अधिकरण	बालक में, बालक पर	बालकों में, बालकों पर
संबोधन	हे बालक!	हे बालको!

आकारांत पुल्लिग शब्द “राजा”

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्ता	राजा, राजा ने	राजाओंने
कर्म	राजा को	राजाओंको
करण	राजा से, राजा के द्वारा	राजाओं से, राजाओं के द्वारा
संप्रदान	राजा को, राजा के लिए	राजाओं को, राजाओं के लिए
अपादान	राजा से	राजाओ से

संबंध	राजा का, राजा के, राजा की	राजाओं का, राजाओं के, राजाओं की
अधिकरण	राजा में, राजा पर	राजाओं में, राजाओं पर
संबोधन	हे राजा!	हे राजाओ!